बिलासपुर : बरमाणा क्षेत्र में बकरी पालन का प्रशिक्षण लेने वाली महिलाएं विट्ठल प्रजाति की बकरियों की जानकारी लेती हुईं। (विशाल)

महिलाओं ने सीखा विट्ठल प्रजाति की बकरियों का पालन

बिलासपुर, 11 अप्रैल (विशाल): बरमाणा ए.सी.सी. सीमैंट इकाई के सीड सी.एस.आर. द्वारा क्षेत्र के 2 गांवों में पशुपालन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विट्ठल नस्ल की बकरियों को पालने के तरीके के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में पशु चिकित्सक आर.एस. धीमान ने महिलाओं को बकरियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बकरियों को होने वाली बीमारियों, डिवार्मिंग, खुरपका-मुंहपका रोग, नियमित टीकाकरण, चारा, पशु आहार व मिनरल मिक्सचर इत्यादि के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

उन्होंने महिलाओं को बताया कि विट्ठल प्रजाति के बकरे एक साल में 50 से 60 किलो वजन के हो जाते हैं जबकि इस प्रजाति की बकरियों का वजन एक साल में 40 से 50 किलो तक हो जाता है। इस नस्ल की बकरियां ज्यादातर 2 बच्चे देती हैं व एक समय में 2 लीटर दूध भी देती हैं। शिविर में मौजूद महिलाओं की तमाम शंकाओं व जिज्ञासाओं का समाधान भी पशु चिकित्सक ने किया। इस शिविर में सीड प्रतिनिधि हरीश बंसल, जय शंकर, नीरा शर्मा व रेखा सहित विरयाही गांव की जागृति स्वयं सहायता समूह व बरमाणा गांव के उमंग स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल रहीं।